रूपरेखा

प्रस्तावना, कोविद 19 के दौरान स्वतंत्रता समारोह की परिस्थितियां, इसकी लाभ, एवं इसकी हानियां, उपसंहार,

प्रस्तावना-स्वतंत्रता दिवस देश के सबसे महत्वपूर्ण दिनों में से एक है, इसे हम प्रत्येक वर्ष 15 अगस्त को मनाते हैं। 1947 ब्रिटिशों के शासन से जिन्होंने हमारे देश को करीब 200 वर्षों तक अपना साम्राज्य कायम किया था उस से आजादी प्राप्ति के पश्चात भारत एक स्वतंत्र राष्ट्र बना तब से आज तक हम इसे बहुत हर्षोल्लास के साथ मनाते आ रहे हैं किन्तु कोविद 19 के दौरान प्रत्येक क्षेत्रों में परिवर्तन आने के साथ-साथ हमारे इस महत्वपूर्ण पर्व को भी मनाने में बदलाव आया।

कोविद 19 के दौरान स्वतंत्रता समारोह की परिस्थितियां

इस वर्ष भारत का 75वां स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा किन्तु जैसा कि हम सभी को सर्व विदित है कि पूर्व 2 वर्षों से सम्पूर्ण विश्व करोना वायरस के महामारी से जूझ रहा है 2020 के भाँति इस वर्ष भी स्वतंत्रता समारोह पर कोविद 19 का प्रभाव दुर्भाग्य वश देखने को मिलेगा। वैश्विक महामारी से सन्क्रमण के रोकथाम के लिये स्वतंत्रता दिवस पर सरकार द्वारा कुछ दिशानिर्देश के आलोपमें किया जाएगा, जिसके तहत सभी लोगों को मास्क एवं शारीरिक दूरी का पालन करना आवश्यक होगा।

स्वतंत्रता समारोह के अंतर्गत कोविद 19 के कारण हानि एवं लाभ-कोविद 19 के कारण पिछली वर्ष की भाँति इस वर्ष भी कुछ अधिकारी गण स्वतंत्रता समारोह के अवसर पर[Facebook, Twitter, YouTube]एवं अन्य माध्यमों से [on line live streaming]की व्यवस्था का पालन करना होगा। स्वास्थ्य की दृष्टिकोण को मध्य नजर रखते हुए आम नागरिकों को आमंत्रित नहीं किया जाएगा। जिस प्रकार कोविद 19 के कहर से पहले स्वतंत्रता समारोह हर्षोल्लास के साथ विद्यालयों, महा विद्यालयों एवं अन्य स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किये जाते थे तथा अनेकों प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती थी वह अब बदल चुका है, अब प्रतियोगिताएं आयोजित तो की जाएंगी किन्तु [On line]के माध्यम से। कोविद 19 से सुरक्षा के उद्देश्यों के लिये लोगों की भीड़ व [Media]एवं इत्यादि के उपस्थिति काफी हद तक नियंत्रित किया जाएगा डीजिटल युग में आजादी का जश्न भी वर्चुअल ही होगा।

उपसंहार

पिछले वर्ष की भाँति इस बार भी स्वतंत्रता दिवस का उत्सव भिन्न परिस्थितियों में मनाया जा रहा है और इसका कारण है करोना वायरस के संक्रमण से उपजी कोविद 19 महामारी। यह महामारी स्वतंत्रता दिवस की धूम-धाम पर तो असर डालेगी ही किन्तु उसे उन सन्कल्पों को पूरा करने में बाधक नहीं बनने देना चाहिये जो हर मुश्किल हालात का सामना करने की प्रेरणा प्रदान करते हैं। यदि हम सब एकजुट होकर राष्ट्रीय दाइत्वो के नीवाहन के प्रति प्रतिबद्धता का प्रदर्शन कर सकें तो इस महामारी को भी आसानी से परास्त कर सकते हैं और राष्ट्र निर्माण के लक्ष की ओर भी तेजी से बढ़ सकते हैं, यह लक्ष हमारी प्रतीक्षा कर रहा है परन्तु उस तक पहुँचने के पहले हमें उस अवरोध को दूर करना होगा जो इस महामारी ने उत्पन्न कर दिया है।

मैं रुचि दूबे एक दृष्टि बाधित छात्रा [nab meerut]की ओर से मैने ये हिन्ती टाईपिन्ग खुद से किया है जो की मंगल फोन्ट में किया गया है।